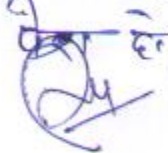


15/7/25

पञ्चायती पेशा दुर्ग 1 वकील
 प्रार्थी अनु/प्रार्थी क्रं. 1, 2, 3, 4,
 6, 7, व 9, 10 कि तामील जाद
 तामील होला । प्रार्थी क्रं 5
 फौज वकील प्रार्थी क्रं 8 व
 L.R. कायम मुकाम पेक्षा करी
 पञ्चायती दि 14/7/25 को पेश हो


15/8/25

पञ्चायती पेशा दुर्ग 1 वकील वादी प्रार्थी
 अनुपस्थित । वादी प्रार्थी अनुपस्थित ।
 प्रमाण में वकील वादी प्रार्थी को विधिकरण
 ने मक. मक का तीन बार कावायल कावायल
 गई लेकिन को (ने कोई की उपस्थित नहीं)
 दुका वकील वादी व वादी के अनुपस्थित
 रहने से प्रमाण को अहम होगरी व अहम
 पेशी में रकारिज किया जात उपित अहम
 होला ही ऐसी स्थिति में प्रमाण को अहम
 होगरी व अहम पेशी में रकारिज किये जाते
 कि आपेशा पारित किये जाते हैं ।

अतः पञ्चायती पेशा दुर्ग 1 वकील
 एवं नया से काम कि जात व अधिकार
